मैं कावड़ लाऊंगा | By Nikunj Prem

आया सावन का महीना शिव को मनाऊंगा
मैं कांवड़ लाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा
बड़ी ठंडी पड़े फुहार शिव शिव गाऊंगा
मैं कांवड़ लाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा
आया सावन का महीना.....

देखो चारों और भोले का ही डंका बाजे
कावड़ियों के काँधे सुन्दर सुन्दर कांवड़ साजे
हर की पौड़ी जाके गंगा नहाऊंगा मैं कावड़ लाऊंगा
अरे रे ठंडी पड़े फुहार शिव शिव गाऊंगा
मैं कांवड़ लाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा

इंतज़ार एक साल किया सावन का महीना आया
कावड़ियों की धूम देख कर मेरा मन हर्षाया
इस सावन में भी शिव किरपा पाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा
आया सावन का महीना शिव को मनाऊंगा
मैं कांवड़ लाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा

शिव के भक्तों की तो एक बात बड़ी है निराली
बाबा के दरबार से ना लौटा कोई खाली
गंगा जल मैं लाके शिव पे चढ़ाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा
आया सावन का महीना शिव को मनाऊंगा
मैं कांवड़ लाऊंगा, मैं कावड़ लाऊंगा

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a5%88%e0%a4%82-%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b5%e0%a4%a1%e0%a4%bc-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82%e0%a4%97%e0%a4%be-by-nikunj-prem/